

विचार बिन्दु

देश का उद्धार विलासियों द्वारा नहीं हो सकता। उसके लिए सच्चा त्यागी होना आवश्यक है। -प्रेमचंद

भ्रष्टाचार अब बुरा नहीं है!

ट्रॉ

संपर्कें इंटरनेशनल द्वारा हर बरस ज्ञारी होने वाला प्रधाचार बोध सूचकांक (करण्णन परसेशन इंडेक्स) 2024 घटारे सामने है। इस सूचकांक में भारत कुल 180 दरों की सूची में 9.6 वें स्थान पर है। पिछले बरस के मुकाबले इस बरस हम एक पायदान नीचे उतरे हैं। पिछले बरस हमें एक सौ में से 3.9 अंक मिले थे (सौ अंक सभी उम्मा, शन्ति अंक सभी खराब), इस बार 3.8 अंक मिले हैं। सन् 2022 में हमारे साप 40 अंक थे। मतलब यह कि इस सूचकांक के अनुचार हमारे यहां प्रधाचार बढ़ा है। वैसे मात्र एक अंक कम होने से हमारी रैकिंग ताजे पायदान नीचे उतर गई है। यहां यह चादर के लेना भी अनुचार नहीं होगा कि सन् 2016 में प्रधानमंत्री ने जो बुद्धिमत्ता की कमर तोड़ देने के दावे किए गए थे। अब भी बहुत सुमिकिन है कि सरकारी प्रवक्तव्य इस सूचकांक को भारत की छवि बदलने वाला और दुर्भावनापूर्ण बता दे ऐसा हमेशा ही होता है।

इस प्रधाचार सूचकांक के अनुचार वैशिक औंसत 43 अंक है और यह कई बरस से एक ही जाह ठहरा रहा है। लेकिन यह भी प्रधाचार के दो-तीव्रांति दरों के अंक सभी से कम है। जाहिर है कि दुनिया की आवादी का बहुत बड़ा हस्ता प्रधाचार तो मिलता है। वैसे कम से कम 3.2 दरों ऐसे हैं जो दुनिया सन् 2012 के बाद से बढ़ाया था। यहां यह अथवा अपने यहां प्रधाचार को कम करने में कामयादी हासिल की है, लेकिन यह खुशी इस तथ्य से कम हो जाती है कि कम से कम 148 दरों ऐसे हैं जिनमें या तो प्रधाचार जहां या वहां ठहरा है या फिर बढ़ा है। इस बार के सूचकांक में जलवायु परिवर्तन के संबंध में प्रधाचार की विवाद चर्चा की गई है और कहा गया है कि सारी नियामों ने बहुत बड़ा जनसंख्या वैश्विक तापन ('ग्लोबल हैटिंग') के गंभीर दुर्घात्मण में खुत तो नहीं है क्योंकि ग्रीनहाउस गैस खाली को बढ़ावा देने से एल नियामित धनराशी की ओरी या दुर्घात्मण हो रहा है। इसी तरह पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देने वाले जलवायु संकट को नियंत्रित करने वाली नीतियों को प्रधाचार बहुत तेजी से अवश्यक कर रहा है।

मुझे इस सूचकांक का बहुसंख्या बात यह लगती है कि प्रधाचार को बहुत साफ तरह से समझा गया गया है। सामान्यतः हमारी भी गलत काम को और खास तौर पर जिससे धराशी का लेन-देन नहीं हो, प्रधाचार कहते हैं कि जातवाल के केवल बात नहीं है। इस सूचकांक के अनुचार प्रदर्श शक्तियों का निजी लाप्ति के लिए दुरुपयोग प्रधाचार है। प्रधाचार को बढ़ावा देने के लिए नियंत्रित धनराशी की ओरी या दुरुपयोग हो रहा है।

यहां यहां पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देने वाले जलवायु संकट को नियंत्रित करने वाली नीतियों को प्रधाचार बहुत तेजी से अवश्यक कर रहा है।

सूचकांक में जलवायु परिवर्तन के संबंध में प्रधाचार की विवाद चर्चा की गई है और कहा गया है कि सारी नियामों ने बहुत बड़ा जनसंख्या वैश्विक तापन ('ग्लोबल हैटिंग') के गंभीर दुर्घात्मण में खुत तो नहीं है क्योंकि ग्रीनहाउस गैस खाली को बढ़ावा देने से एल नियामित धनराशी की ओरी या दुरुपयोग हो रहा है।

यहां यहां पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देने वाले जलवायु संकट को नियंत्रित करने वाली नीतियों को प्रधाचार बहुत तेजी से अवश्यक कर रहा है।

मुझे हमारे समाज की और वर्तमान की सबसे बड़ी त्रासदी यह लगती है कि हमने अच्छे और बुरे के बीच भेद करना बंद कर दिया है। अब किसी की बुराई हमें आहत ही नहीं करती है। बुराई को जैसे हमने धो-

पोंछ कर पाक साफ कर लिया है। और जब हम बुराई मानते ही नहीं हैं तो फिर उसे दूर करने की तो बात ही क्या करें?

हो कि आम नागरिक भी उसे समझ और उसका प्रयोग कर सके।

यहां यह भी यह किया जा सकता है कि हमारे यहां काम का अधिकार प्राप्त करने के लिए किसी लंबी लड़ाई लड़ी गई और कैसे वह अधिकार प्राप्त किया गया लेकिन इस कथा का एक स्थाय पक्ष यह भी है कि हमारे प्रश्नानां और सरकारों ने क्रमशः इस सूचना के अधिकार को नियमितरी की दोहरातार और लंबी दौरा देने के लिए दुरुपयोग प्रधाचार है। अब यहां काम करने के लिए दुरुपयोग प्रधाचार की ओरी या दुरुपयोग हो रहा है। यहां यहां पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देने वाले जलवायु संकट को नियंत्रित करने वाली नीतियों को प्रधाचार बहुत तेजी से अवश्यक कर रहा है।

अन्य भारतीय संघरणों के लिए एक ऐसी इवातार है जिसका लोकोन्तरी नाम मिलता है। यह सूचना प्रदान करना जातियों के लिए एक अच्छी बात है कि जातवाल के लिए दुरुपयोग प्रधाचार की ओरी या दुरुपयोग हो रहा है। यहां यहां पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देने वाले जलवायु संकट को नियंत्रित करने वाली नीतियों को प्रधाचार बहुत तेजी से अवश्यक कर रहा है।

भरत वार भारत बनाने के लिए दोले पीट-पीटकर यह करते हैं कि प्रधाचार को बढ़ावा देने के लिए भारतीय संघरणों के लिए दुरुपयोग प्रधाचार है। यह जातवाल के लिए एक ऐसी इवातार है जिसका लोकोन्तरी नाम मिलता है। यह जातवाल के लिए दुरुपयोग प्रधाचार की ओरी या दुरुपयोग हो रहा है। यहां यहां पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देने वाले जलवायु संकट को नियंत्रित करने वाली नीतियों को प्रधाचार बहुत तेजी से अवश्यक कर रहा है।

द्रौपदींसे इंटरनेशनल की इस रिपोर्ट में यो बात यह लगती है कि इसमें जलवायु गया है, असल में तो वह हमारे चारों तरफ पसरे प्रधाचार की कोचीड़ का बहुत छोटा है। यहां में जूँकू और सूचना देने के लिए एक अच्छा तापन है। यहां यहां पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देने वाले जलवायु संकट को नियंत्रित करने वाली नीतियों को प्रधाचार बहुत तेजी से अवश्यक कर रहा है।

द्रौपदींसे इंटरनेशनल की इस रिपोर्ट में यो बात यह लगती है कि इसमें जलवायु गया है, असल में तो वह हमारे चारों तरफ पसरे प्रधाचार की कोचीड़ का बहुत छोटा है। यहां में जूँकू और सूचना देने के लिए एक अच्छा तापन है। यहां यहां पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देने वाले जलवायु संकट को नियंत्रित करने वाली नीतियों को प्रधाचार बहुत तेजी से अवश्यक कर रहा है।

बहुत बार यह भी लगती है कि हमारा पारंपरिक सोच भी कहीं न कहीं प्रधाचार की इस स्वीकृती के लिए उत्तरदायी है। हरिशंकर परसाई ने कभी जिसका लोकोन्तरी नाम मिलता है। यह सूचना के अधिकार को लिए एक अच्छी बात है कि जातवाल के लिए दुरुपयोग प्रधाचार है। अब यहां काम करने के लिए दुरुपयोग प्रधाचार है। यहां यहां पर्यावरणीय क्षति को बढ़ावा देने वाले जलवायु संकट को नियंत्रित करने वाली नीतियों को प्रधाचार बहुत तेजी से अवश्यक कर रहा है।

मुझे हमारे समाज की और वर्तमान की सबसे बड़ी त्रासदी यह लगती है कि हमने अच्छे और बुरे के बीच भेद करना बंद कर दिया है। अब किसी की बुराई हमें आहत ही नहीं करती है। बुराई को जैसे हमने धो-

पोंछ कर पाक साफ कर लिया है। और जब हम बुराई मानते ही नहीं हैं तो फिर उसे दूर करने की तो बात ही क्या करें?

-अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

पंडित अनिल शर्मा

राशिफल

सोमवार 17 फरवरी, 2025

फलानु मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत् 2081, चित्रा नक्षत्र मंगलवार प्रातः: 7:35 तक, शूल योग प्रातः: 8:54 तक, कौलव करण दिन 3:35 तक, चन्द्रमा आज सायं 6:02 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-मिथुन, वृद्ध-कुम्भ, शुक्र-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज महापात्र योग सायं 4:45 से रात्रि 9:13 तक है।

श्रेष्ठ चौधूर्यः अमृत सूर्योदय से 8:30 तक, शुक्र 9:53 से 11:17 तक, चार 2:05 से 3:29 तक, लाभ-अमृत 3:24 से सूर्योदय तक।

राहुकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 7:06, सूर्योदय 6:16।

संपादकीय

प्रदेश के स्कूलों में सफाईकर्मियों के 27986 पद, सिर्फ 5301 ही भरे हैं

शौचालयों की सफाई हेतु जमादारों के सिर्फ 520 पद स्वीकृत, इसमें से 376 पद खाली हैं

बीकानेर, (निसं)। स्कूल में झाड़ लगाने के लिए सहायता और स्कूल परिसर की सफाई संभव ही नहीं है। ऊपर देखा जाने के लिए शौचालय की अधिकारी ने स्कूलों में खड़ी रही। बल्कि ये इनका रोज़ा की काम है।

प्रदेश के स्कूलों में साफ-सफाई के लिए सहायता और स्कूलों के अधिकारीयों के 27986 पद स्वीकृत हैं, लेकिन इनमें से 22685 पद खाली हैं। अधिकारीयों के लिए जमादारों ने स्कूलों के लिए देखा जाने की ओरी व्यवस्था पर लगाकर बढ़ाया है। अर्थात् अपने 376 पद खाली हैं। वहां सफाई व्यवस्था पर सबसे ज्यादा ध्यान देते हैं। ये अच्छी बात है, लेक

